सफलता की कहानी

मेहनतकश नोला कुमारी क लिए कौशल प्रशिक्षण का हुनर बना जीवन का वरदान

झारखण्ड की बेटियाँ सभी क्षेत्रों में अव्वल हैं और यहाँ कि बेटियों ने प्रायः सभी क्षत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। लेकिन राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में मेधावी और मेहनतकश होने के बावजूद राज्य की लड़कियों को रोजी–रोजगार की समस्या से जूझना पड़ता है। पुरूषों के कन्धे से कन्धा मिलाकर काम करने वाली महिलाएं भी हुनर के आभाव दैनिक मजदूरी और खेतीहर मजदूरी जैसे काम करने को विवश हो जाती है।

ऐसी ही एक कहानी है, रातू प्रखण्ड के एक छोटे से गाँव काटमकुली की नीला कुमारी का। नीला के पिता स्व0 नरेश लोहरा एक किसान थे और सीमान्त किसान के रूप में उनका परिवार ठीकठाक चल रहा था। घर में माँ के अलावा नीला कुल चार बहनें हैं। पिता के जीवन काल में परिवार का भरण–पोषण ठीकठाक था लेकिन पिता की असमायिक मृत्यु के साथ ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। केवल महिलाओं के इस परिवार में गरीबी ने अपना डेरा जमाना शुरू कर दिया। गरीबी का दंश के शुरूआत से ही पूरे परिवार ने एक बार फिर से जोर लगाई और सभी लोग खेतीहर मजदूरी कर अपना जीवन यापन करने लगे। पूंजी के अभाव के कारण जमीन के अपने टुकड़े पर खेती नहीं हो पा रही थी। बहनों में दूसरे नम्बर पर आने वाली नीला ने जैसे–तैसे दसवीं तक की पढ़ाई भी पूरी की। साथ ही, नीला मजूदरी का भी काम कर रही थी। यानि नीला एक मायने में बचपन से ही काम काज में लग चुकी थी और अपने मेहनत के दम पर दो पैसे कमाने भी लगी थी।

काफी समय ऐसे ही बीतने के बाद झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी के प्रशिक्षण प्रदाता संस्था IL&FS की कमड़े स्थित सक्षम झारखण्ड कौशल विकास योजना के उत्प्ररकों द्वारा सिलाई मशीन ऑपरेटर के प्रशिक्षण के लिए चलाये जा रहे प्रचार–प्रसार से नीला को कौशल प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण के उपरांत सम्मानजनक नौकरी के अवसर की जानकारी मिली। नीला ने सिलाई मशीन ऑपरेटर ट्रेड में कौशल प्रशिक्षण पूर्ण करने का निश्चय किया। कुछ ही दिनों बाद उसका नामांकन सक्षम झारखण्ड कौशल विकास केन्द्र में हो गया। नीला ने अपनी सूझ–बूझ से न सिर्फ प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूर्ण किया बल्कि Single Needle Machine की Expert भी बन गई। नीला ने अपनी लगन से उस मिल रही सफलता की जानकारी गाँव की अन्य लड़कियों को भी दिया और इस प्रकार दस से अधिक लड़कियों ने उसकी प्रेरणा से कौशल प्रशिक्षण केन्द्र में नामांकन लिया। मेहनती नीला के मेहनत ने रंग लाई और प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत त्रिपुर, तमिलनाडु की जानीमानी वस्त्र उद्योग कंपनी Best Corporation में नीला का चयन सिलाई मशीन ऑपरेटर के पद पर हो गया। वर्तमान में नीला रू0 8,000/– (आठ हजार रूपये) की मासिक वेतनमान पर कार्यरत है। अपनी सूझ–बूझ से नीला ने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों का विश्वास जीत लिया है और नीला को धागा, बटन एवं सिलाई के क्लालिटी चेकिंग की अतिरिक्त जिम्मेवारी भी दी गई

नीला के लगन और कड़े परिश्रम से अब घर की भी माली हालत में सुधार हो रहा है। पूजा अपनी गाढ़ी कमाई जाया किये बगैर काफी सूझ–बूझ से काम ले रही है। अपने वेतन से कुछ हिस्सा बचाकर नीला अपने परिवार को खेती करने के लिए पैसे भी भेज रही है। नीला के इस योगदान से उसके दिवगंत पिता की जमीन पर फसल फिर से लहलहाने लगे है। साथ ही, अब उससे छोटी दो बहनों को मज़दूरी नहीं करनी पड़ रही है।

इस प्रकार नीला की कहानी अपने मेहनत और लगन को सही दिशा प्रदान करने का अनुठा उदाहरण है। झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की ओर से पूजा कुमारी को उनके उज्जवल भविष्य के लिए अन्नंत शुभकामनाएँ।

****